२००७-२००८
उत्तरमध्यमा परीक्षा
द्वितीय खण्ड, द्वितीय अधिसत्र
विषय- खवर्ग संस्कृत, षष्ठ प्रश्न पत्र

समय- ३½ घण्टा

सम्पूर्णांक-५०

8

१. निम्नांकित प्रश्नों में किन्हीं आठ का समाधान कीजिए । 'क' से चार तथा 'ख' से भी चार का उत्तर अनिवार्य है।

(क) (१) किसका सुख-दुख अन्तरित रहता है?
(२) सुपथ से अनभिज्ञ जन की स्थिति कैसी होती है?
(३) गुरू गुरुत्व को कैसे प्राप्त करते हैं?
(४) 'नियतं वर्धत एवं जीविताशा' का भावार्थ लिखिए।
(५) 'मानुष्यकं परमदुर्लभमेव जन्तोः' का अभिप्राय स्पष्ट कीजिए।

(ख) (१) अनन्द लोक को कौन प्राप्त करता है?
(२) अतिथि ब्राह्मण को भोजन न देने का क्या परिणाम होता है?
(३) स्वर्ग का स्वरूप कैसा होता है?
(४) नचिकेता ने द्वितीय वरदान में क्या प्राप्त किया?
(५) 'अन्धेनैव नीयमाना यथान्धाः' का प्रसंग बतलाइए।

4x4=16

२. किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर दीजिए। 'च' से दो तथा 'छ' से भी दो का समाधान अपेक्षित है।

(च) (१) वर्तमान परिवेश में शिष्यलेख की उपयोगिता को स्पष्ट कीजिए।
(२) महामोह के प्रभावों पर लघु टिप्पणी लिखिए।
(३) चन्द्रगोमी के देशकाल को स्पष्ट कीजिए।

(छ) (१) श्रेयः एवं प्रेयः मार्ग का अन्तर बतलाइए।
(२) 'आत्म-तत्त्व' की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।
(३) कठोपनिषद् की प्रथम वल्ली का सारांश लिखिए।

३. किन्हीं **चार** पद्यों-मन्त्रों का भावार्थ लिखिए। 'त' से **दो** तथा 'थ' से भी **दो** का उत्तर अनिवार्य है। 8

(त) (१) विस्तीर्णनिम्नविमल प्रकटाश्रयेषु
पात्रेषु सर्वपरिमर्दसहेषु येषु।
तत् संस्थितं भवति सर्वजनोपभोग्यं
तस्मै नमः पुरुषरूपमहाहृदाय।।

(२) संसारभूधरदरीजठरप्रपाताद्
उत्थातुमुद्यतपराः परमान्धकारात्।
मुञ्चन्ति ये निजगुणावलिमन्तराले
वेगेन ते विषमपातमधः पतन्ति।

(३) मृत्योः करालगलितैरिव कालपाशै-
राशीविषैर्धृतफणैर्दृढसंयतस्य।
,उत्पाटयन्ति नयने स्फुरतः प्रसह्य
तत्र स्थितस्य बकवायसकङ्.कगृध्राः।।

(थ) (१) प्र ते ब्रबीमि तदु मे निबोध
स्वर्ग्यमग्निं नचिकेतः प्रजानन्। 8
अनन्तलोकाप्तिमथो प्रतिष्ठां
विद्धि त्वमेतं निहितं गुहायाम्।।

(२) न वित्तेन तर्पणीयो मनुष्यो
लप्स्यामहे वित्तमद्राक्ष्म चेत्त्वा।
जीविष्यामो यावदीशिष्यसि त्वं
वरस्तु मे वरणीयः स एव।।

(३) तं दुर्दर्शं गूढमनुप्रविष्टं
गुहाहितं गह्वरेष्ठं पुराणम्।
अध्यात्मयोगाधिगमेन देवं
मत्वा धीरो हर्षशोकौ जहाति।।

४. किसी एक विषय पर 2½ पृष्ठों में संस्कृत भाषा में निबन्ध लिखिए। 10

(क) उद्योगिनं पुरुषसिंहमुपैति लक्ष्मीः।

(ख) संसर्गजा दोषगुणा भवन्ति।

(ग) परोपकाराय सतां विभूतयः।

(घ) जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी।